शासकीय मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय
सीपत,बिलासपुर(छ.ग.)

हिन्दी विभाग
हिन्दी विभाग का प्रतिवेदन

डॉ. हीरालाल शर्मा
नम्रता पात्रे

- महाविद्यालय का हिन्दी विभाग आपका आत्मीय अभिनंदन करता है।
- महाविद्यालय की स्थापना स्नातक कक्षा के साथ सत्र 1986 में हुई।
- स्नातकोत्तर हिन्दी का संचालन सत्र 1997 से प्रारंभ हुआ है।
- हिन्दी विभाग में अद्यतन जो संसाधन उपलब्ध है, उसके माध्यम से बेहतर देने को हमेशा प्रयासरत रहते है।
- स्नातक पाठ्यक्रमों का अध्यापन भाषा, साहित्य तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की अध्यापन व्यवस्था शासन एवं विश्वविद्यालय द्वारा जारी किया गया अकादमिक कैलेण्डर के आधार पर इकाई, वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षा प्रणाली के माध्यम से ली जाती है।

- महाविद्यालय का **हिन्दी विभाग पी.एच.डी. शाोध केन्द्र** हेतु अटल बिहारी वाजपेयी वि वविद्यालय बिलासपुर से मान्यता प्राप्त है। शोध निदेशक के रूप में मै स्वयं **डॉ. हीरालाल शर्मा** अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा हूँ। वर्तमान में मेरे अधीन 02 शोध छात्र पंजीकृत है। जिनका शोध केन्द्र बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय बिलासपुर है।
- शोध छात्रों की जानकारी अधोलिखित है –

1. शशि पाण्डेय – शोध विषय – 21वीं सदी के छत्तीसगढी कहॉनियों का समाज वैज्ञानिक अध्ययन
2. दिगम्बर दास महंत – शोध विषय – छत्तीसगढ़ी काव्य को कपिलनाथ कश्यप का प्रदेय।

Mission

हिन्दी विभाग का उद्देश्य –

1. विदयार्थियों को पूरे पाठ्यक्रम से संबंधित जानकारी प्रदान करना।

2. हिन्दी विषयक् सेमीनार/कार्यशाला/परिचर्चा/गोष्ठी का आयोजन करना।

3. विषय विशेषज्ञों का व्याख्यान आयोजन करना।

4. विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक एवं संदर्भग्रन्थ उपलब्ध कराना।

5. रोजगार के अवसरो के बारे में जानकारी प्रदान करना।

Vision

हिन्दी विभाग का दृष्टिकोण –

1. हिन्दी के अध्ययन–अध्यापन द्वारा मानव मूल्यों की शिक्षा देना।

2. हिन्दी विषय के प्रति विदयार्थियों में रूचि परिमार्जित करना।

3. विद्यार्थियों मे रचनात्मक विकास करना।

4. साहित्यिक पत्र पत्रिकाओं का पाठन एवं अदयतन जानकारी से अवगत होना।

5 समाज से जुडे हुए होना एवं वहां की गतिविधियों को संकलित औरं प्रशिक्षित करना।

हिन्दी विषय की उपयोगिता
Course/Programme Outcome

- हिन्दी सरल एवं सुगम भाषा है, हिन्दी मातृ भाषा है। हम जैसा बोलते है वैसा ही लिखते है। हमारे अध्ययन एवं अध्यापन की प्राथमिक भाषा हिन्दी है। हिन्दी अध्ययन से सामाजिक सरोकार की स्थितियॉ प्रबल होती है। हिन्दी से रोजगार के पर्याप्त अवसर है। हिन्दी से अपार संभावनायें है – जैसे –

  - शोध की दिशा में
  - अनुवादक के रूप में
  - भाषायी विकास की दृष्टि से
  - रचनात्मक कार्य की दृष्टि से
  - पत्रकारिता के क्षेत्र में
  - रोजगार मूलक
  - हिन्दी औचित्यपूर्ण अभिविन्यास और आत्मविकास में मददगार सिद्ध होता है।

- विभाग में शिक्षण पदों की संख्या – 02 पद स्वीकृत

पद	स्वीकृत	कार्यरत
प्राध्यापक	01	रिक्त
सहा.प्राध्यापक	01	01

- शासन के निर्देशानुसार प्राध्यापक पद के विरूद्ध अतिथि व्याख्याता कार्यरत है।
- हिन्दी विभाग में कार्यरत अध्यापकों की जानकारी अधोलिखित है –

नाम	योग्यता	पदनाम	विशेषज्ञता	अध्यापन अनुभव	पी.एच.डी. शोध छात्र
डॉ. हीरालाल शर्मा	एम.ए., पी.एच.डी.	सहा.प्राध्यापक	समसामायिक	28 वर्ष	02 पंजीकृत
नम्रता पात्रे	एम.ए., एम.फिल, नेट, सेट,पी.एच.डी. अध्ययनरत	अतिथि व्याख्याता	–	वैकल्पिक व्यवस्था	–

- ❑ हिन्दी विभाग की स्नातकोत्तर कक्षा के लिए 40 सीट संख्या निर्धारित है। जो लगभग पूरी हो जाती है। विभाग में अध्यापन के अतिरिक्त कार्यभार तथा सेमीनार का आयोजन किया जाता है जिससे विद्यार्थियों में रचनात्मक एवं लेखन व वकृत्व क्षमता का विकास होता है इसी कड़ी में कार्यभार कार्य के अन्तर्गत साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की संक्षेपिका निर्माण का दायित्व सौपा गया जो पाठ्यक्रम से संबंधित है। इसी कड़ी का दूसरा पहलू पाठ्यक्रम से संबंधित महत्वपूर्ण बातों को बैनर, पोस्टर के द्वारा प्रदर्शित करने का सार्थक प्रयास किया गया है।

- ❑ साहित्यकारों के चित्र, तस्वीर कुछ कहते हुए नजर आते है, जो विद्यार्थियों द्वारा संचय किया गया है। इसका उद्देश्य उन छायाचित्रों को देखते ही मानस पटल पर उनकी उपलब्धियॉ रेखांकित हो जाती है। जो हमारे विद्यार्थियों की स्मृति को तरो–ताजा रखती है। विद्यार्थियों में इससे साहित्यिक अभिरूचि का विकास हो रहा है .....

वर्श	कक्षा	सेमिनार	वकृत्व / लेखन क्षमता का विकास	आन्तरिक परीक्षा	अतिरिक्त कार्यभार	
					हिन्दी जागरुकता कार्यक्रम	कार्यभार
2020–21	एम.ए I/II sem	39	39	39	39	24
	एम.ए III/IV sem	27	27	27	27	-
2019–20	एम.ए I/II sem	30	30	30	30	-
	एम.ए III/IV sem	17	17	17	17	-
2018–19	एम.ए I/II sem	19	19	19	19	-
	एम.ए III/IV sem	27	27	27	27	-
2017–18	एम.ए I/II sem	39	39	39	39	-
	एम.ए III/IV sem	25	25	25	25	-
2016–17	एम.ए I/II sem	29	29	29	29	-
	एम.ए III/IV sem	-	-	-	-	-

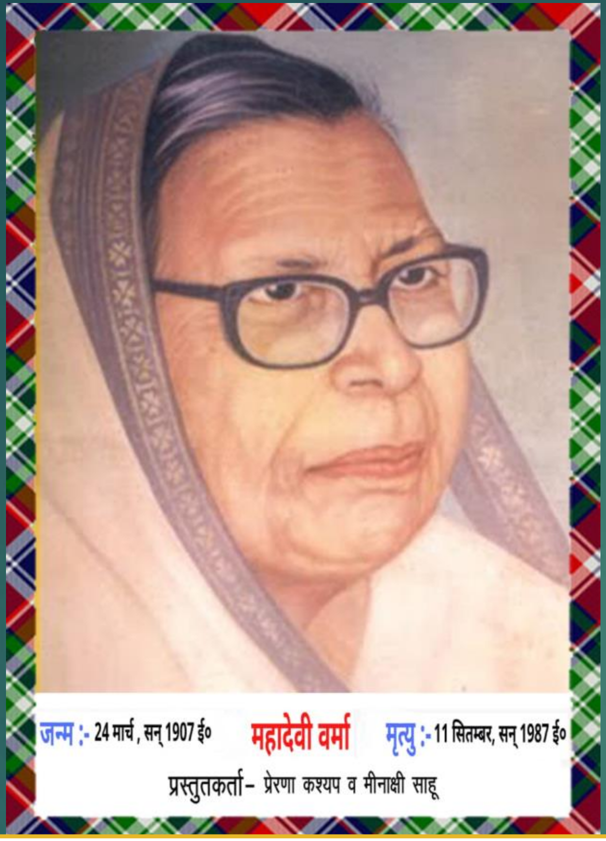

fo|kfFkZ;ksa ds }kjk ladfyr Nk;kfp=

हिन्दी का फलक काफी विस्तृत है सामाजिक सरोकार की दृष्टि से हिन्दी जन–जन की भाषा है। इसी समाज में राम, कृष्ण, तुलसी, कबीर हुये। महान संतों का प्रादुर्भाव हुआ। इन सभी का चरित्र आकर्षक है उनके उपदेशो से समाज परिपूरित हुआ है। प्रत्येक छोटे–बड़े कार्यक्रमों में रामायण का गान यह सामाजिक समरसता का परिचायक है।

- कबीर की सामाजिकता – कबीर का जीवन सत्य – छ.ग. की धरा पर उनका संदेश चिर–परिचित अंदाज में बया होता है। दामाखेड़ा – कबीर पंथियों के समागम का जीवन्त स्थल है। कबीर का काव्य जीवन की परिभाषा है। जो इस क्षेत्र में उस समुदाय के अनुयायियों द्वारा चौका पाठ कर संदेश प्रसारित किया जाता है।
- साहित्य का सामाजिक सारोकार – के अन्तर्गत दिनांक 14/01/2019 को शैक्षणिक यात्रा जो सांस्कृतिक और सामरिक स्थल मदकु द्वीप का भ्रमण विदयार्थियों में सामाजिक धरोहर के प्रति जागृति लाना है।

endq }hi dk Hkze.k& fon;kfFkZ;ksa esa lkekftd /kjksgj ds izfr tkx`fr ykuk

हिन्दी जन–जागरूकता रैली के अन्तर्गत महाविद्यालय से शहीद विनोद सिंह कौशिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीपत में दिनांक 10/12/2021 को रैली के रूप में सभा आयोजित किया गया। जिसमें महाविद्यालयीन विदयार्थियों के साथ विदयालयीन छात्रों को हिन्दी भाषा और बोली के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

fgUnh tu&tkx:drk jSyh ,oa ikS/kkjksi.k

fgUnh tu&tkx:drk jSyh ,oa ikS/kkjksi.k

छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य का अध्ययन हमारे पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा है। स्नातक तृतीय वर्ष में जनपदीय भाषा साहित्य और स्नातकोत्तर में तो पूरा एक प्रश्न पत्र समाहित है। छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोक साहित्य उदाहरण स्वरूप छत्तीसगढ़ का राज्य गीत –

अरपा पैरी के धार

महानदी हे अपार .... आपके सामने दृष्टव्य हैं

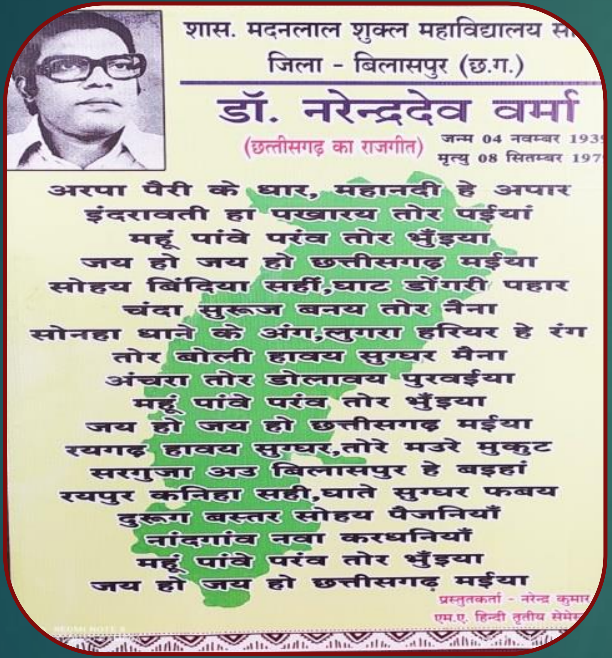

fo|kFkhZ ds }kjk ladfyr NRrhlx<+ dk jkT; xhr

छत्तीसगढ़ वह धरती है जो छायावाद के प्रवर्तक पं. मुकुटधर पाण्डेय की जन्म स्थली है। छत्तीसगढ़ ही छत्तीसगढ़ के गांधी पं. सुन्दरलाल शर्मा, पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी और कवि सुरेन्द्र दुबे की धरती है। जिन्होने समाजिक समसरता का सूत्र पिरोया है।

fiNys 05 o"kksZ dk 2016&17 ls 2020&21 rd izosf’kr fon;kFkhZokj foojf.kdk v/kksfyf[kr gS &

Year	कक्षा	Seat	Admitted Students							Vacant seat
			M	F	ST	SC	OBC	GEN	Total	
2020-21	एम.ए I/II sem	40	8	31	04	15	18	02	39	01
	एम.ए III/IV sem	40	06	21	06	07	13	01	27	13
2019-20	एम.ए I/II sem	40	07	23	06	09	14	01	30	10
	एम.ए III/IV sem	40	12	05	01	04	12	0	17	23
2018-19	एम.ए I/II sem	40	12	07	01	04	14	0	19	21
	एम.ए III/IV sem	40	06	21	02	09	12	04	27	13
2017-18	एम.ए I/II sem	40	14	25	06	10	19	04	39	1
	एम.ए III/IV sem	40	05	20	02	07	13	03	25	15
2016-17	एम.ए I/II sem	40	06	23	02	08	16	03	29	11
	एम.ए III/IV sem	40	04	15	01	09	05	04	19	21

fiNys 05 o"kksZ dk 2016&17 ls 2020&21 rd izosf’kr fon;kFkhZokj foojf.kdk v/kksfyf[kr gS &

Year	Class	Seat	Admitted Students			Vacant seat
			language	Literature	Total	
2020-21	बी.ए. प्रथम	200	194	127	194	06
	बी.एस.सी. प्रथम	100	78	0	78	22
	बी. कॉम प्रथम	50	50	0	50	0
	बी.सी.ए. प्रथम	40	20	0	20	20
2019-20	बी.ए. प्रथम	200	187	132	187	13
	बी.एस.सी. प्रथम	100	93	0	93	07
	बी. कॉम प्रथम	50	50	0	50	0
	बी.सी.ए. प्रथम	40	32	0	32	08

fiNys 05 o"kksZ dk 2016&17 ls 2020&21 rd izosf'kr fon;kFkhZokj foojf.kdk v/kksfyf[kr gS &

2018-19	बी.ए. प्रथम	200	199	108	199	01
	बी.एस.सी. प्रथम	100	100	0	100	0
	बी. कॉम प्रथम	50	50	0	50	0
	बी.सी.ए. प्रथम	30	13	0	13	17
2017-18	बी.ए. प्रथम	200	200	108	200	0
	बी.एस.सी. प्रथम	100	100	0	100	0
	बी. कॉम प्रथम	50	46	0	46	04
	बी.सी.ए. प्रथम	30	14	0	14	16
2016-17	बी.ए. प्रथम	200	200	118	200	0
	बी.एस.सी. प्रथम	100	89	0	89	11
	बी. कॉम प्रथम	50	50	0	50	0
	बी.सी.ए. प्रथम	30	30	0	30	0

fiNys 05 o"kksZ dk 2016&17 ls 2020&21 rd izosf'kr fon;kFkhZokj foojf.kdk v/kksfyf[kr gS &

Year	Class	Seat	Admitted Students			Vacant seat
			language	Literature	Total	
2020-21	बी.ए. तृतीय	200	141	112	141	59
	बी.एस.सी. तृतीय	100	89	0	89	11
	बी. कॉम तृतीय	50	45	0	45	05
	बी.सी.ए. तृतीय	40	13	0	13	27
2019-20	बी.ए. तृतीय	200	146	111	146	54
	बी.एस.सी. तृतीय	100	79	0	79	21
	बी. कॉम तृतीय	50	25	0	25	25
	बी.सी.ए. तृतीय	40	11	0	11	29

fiNys 05 o"kksZ dk 2016&17 ls 2020&21 rd izosf'kr fon;kFkhZokj foojf.kdk v/kksfyf[kr gS &

2018-19	बी.ए. तृतीय	200	199	123	199	01
	बी.एस.सी. तृतीय	100	57	0	57	43
	बी. कॉम तृतीय	50	33	0	33	17
	बी.सी.ए. तृतीय	30	10	0	10	20
2017-18	बी.ए. तृतीय	200	154	89	154	46
	बी.एस.सी. तृतीय	100	68	0	68	32
	बी. कॉम तृतीय	50	19	0	19	31
	बी.सी.ए. तृतीय	30	09	0	09	21
2016-17	बी.ए. तृतीय	200	145	76	145	55
	बी.एस.सी. तृतीय	100	48	00	48	52
	बी. कॉम तृतीय	50	20	0	20	30
	बी.सी.ए. तृतीय	30	14	0	14	16

परीक्षा परिणाम पिछले 05 वर्ष का 2016–17 से 2020–21 तक (अंतिम वर्ष)

year	class	App.	PASS	Parcentage
2020-21	B. A. III (Hindi Lit.)	112	112	100
	B. A. III	140	140	100
	B. Com III	44	44	100
	B. Sc. III	88	88	100
	BCA IIII	13	13	100
2019-20	B. A. III (Hindi Lit.)	110	110	100
	B. A. III	140	140	100
	B. Com III	24	24	100
	B. Sc. III	71	71	100
	BCA IIII	10	10	100
2018-19	B. A. III (Hindi Lit.)	123	123	100
	B. A. III	193	193	100
	B. Com III	32	32	100
	B. Sc. III	44	44	100
	BCA IIII	9	9	100
2017-18	B. A. III (Hindi Lit.)	88	88	100
	B. A. III	148	148	100
	B. Com III	19	19	100
	B. Sc. III	67	67	100
	BCA IIII	9	9	100
2016-17	B. A. III (Hindi Lit.)	75	75	100
	B. A. III	141	141	100
	B. Com III	19	19	100
	B. Sc. III	44	44	100
	BCA IIII	14	14	100

परीक्षा परिणाम पिछले 05 वर्ष का 2016–17 से 2020–21 तक (अंतिम वर्ष)

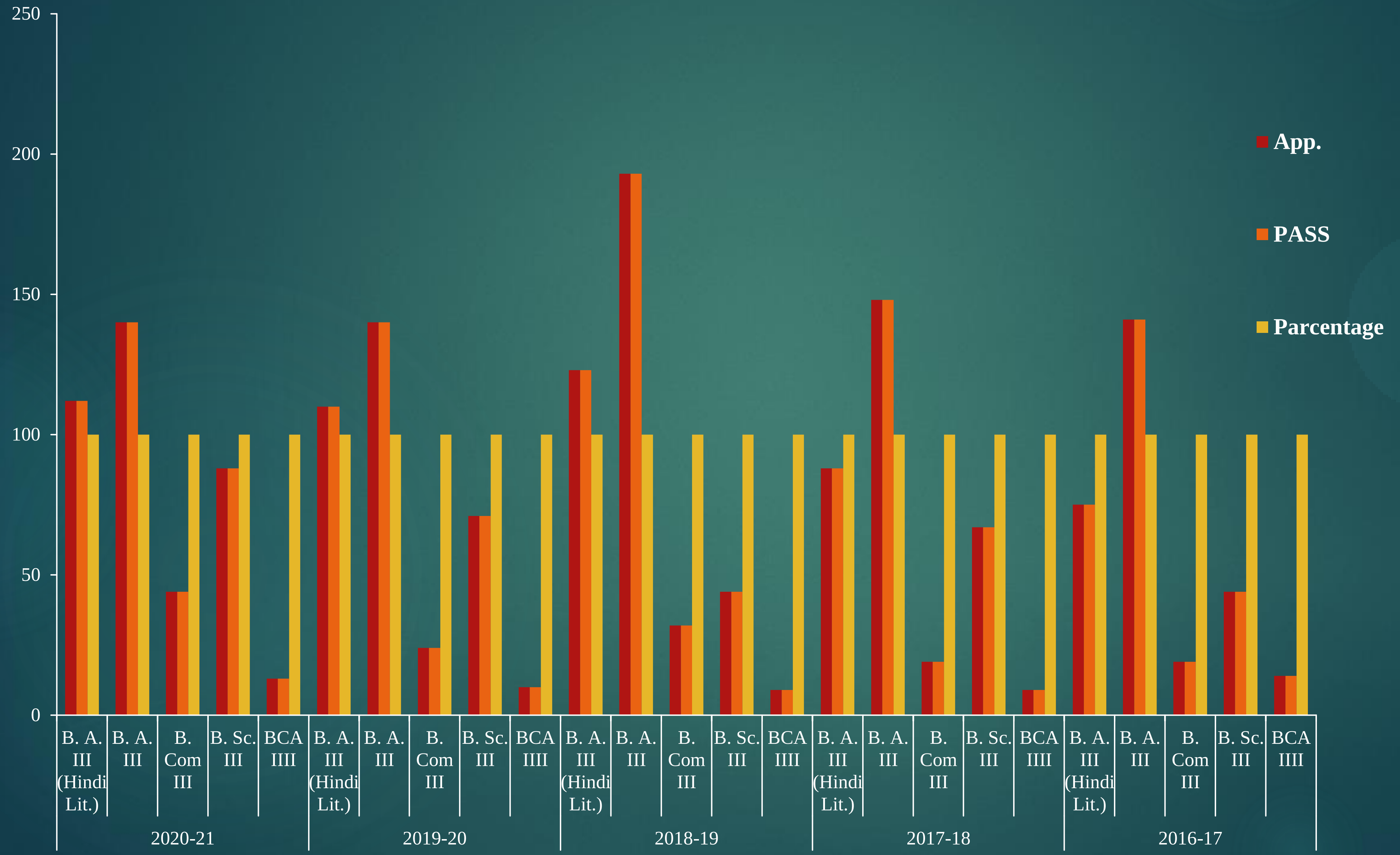

परीक्षा परिणाम पिछले 05 वर्ष का 2016–17 से 2020–21 तक (चतुर्थ सेमेस्टर)

year	class	App.	PASS	Percentage
2020-21	M. A. IV Sem (Hindi Lit.)	27	27	100
2019-20	M. A. IV Sem (Hindi Lit.)	17	17	100
2018-19	M. A. IV Sem (Hindi Lit.)	27	27	100
2017-18	M. A. IV Sem (Hindi Lit.)	25	25	100
2016-17	M. A. IV Sem (Hindi Lit.)	18	18	100

परीक्षा परिणाम पिछले 05 वर्ष का 2016–17 से 2020–21 तक (चतुर्थ सेमेस्टर)

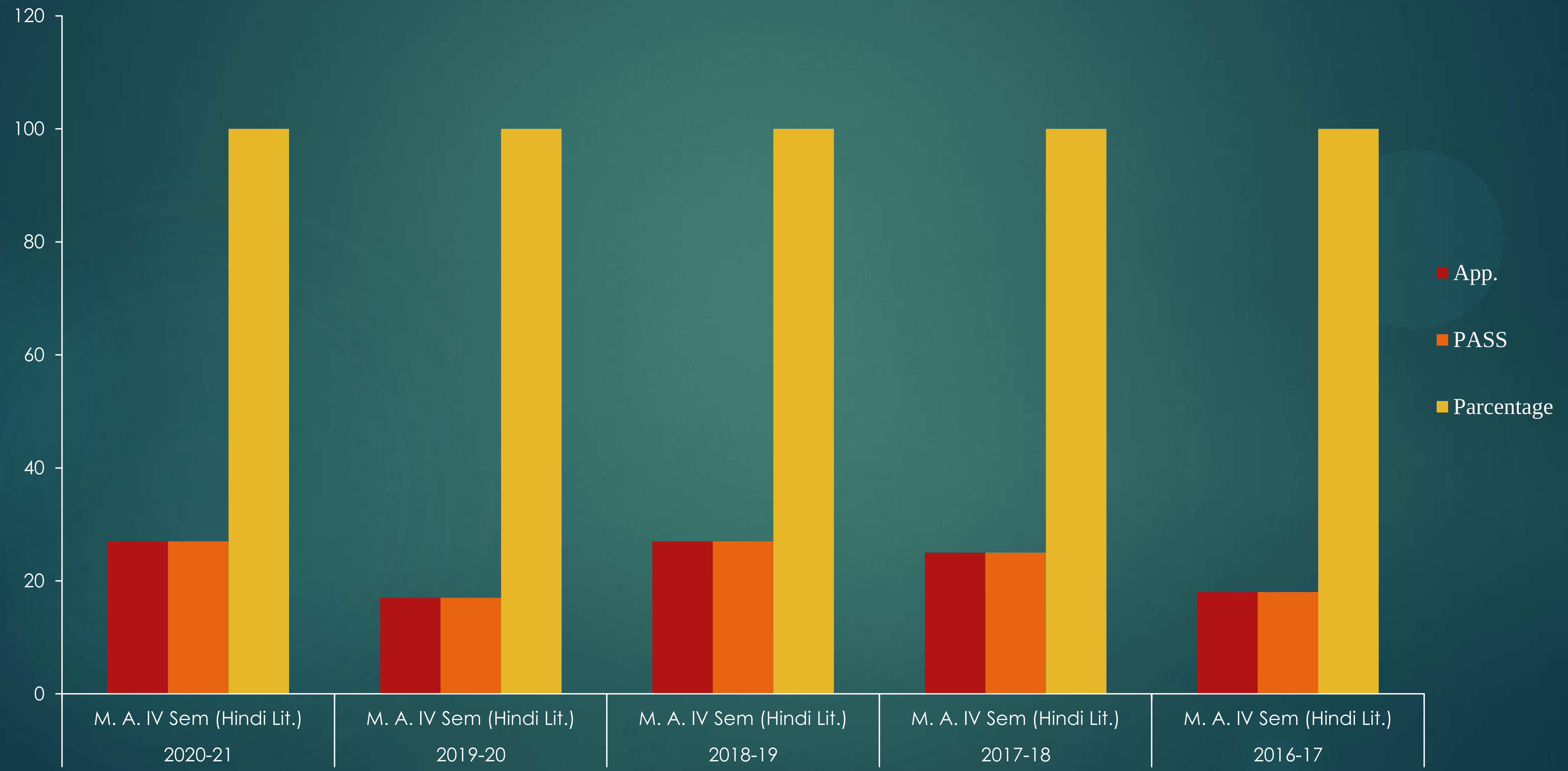

SWOC Analysis

हिन्दी विभाग की ताकत

- हिन्दी विभाग में अध्ययनरत् विदयार्थी ही हमारी ताकत है।
- विषय की लोकप्रियता महाविद्यालय में सर्वाधिक संख्या हिन्दी अध्ययन करने वाले विदयार्थियों की ही होती है। उन्हें हम जैसा स्वरूप देना चाहेंगें, वे वैसा बनते है।
- अध्ययन सामाग्री का प्रदर्शन, प्रदर्शन के माध्यम से अध्ययन, तथा हरीतिमा का विकास के अन्तर्गत महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण कर स्वस्थ परिसर देना हमारी पहचान बन गई है।
- ऑनलाईन और ऑफलाईन दोनो परिस्थितियों में अपने आप को ढालने में सक्षम हो गये है।
- अनुभवी शिक्षकों से चर्चा, परिचर्चा, व्याख्यान के माध्यम से प्रभावित होने का सुअवसर हिन्दी विभाग हमेशा से उपलब्ध कराते रहा है।

SWOC Analysis

हिन्दी विभाग की कमजोरी

- विभाग एक अस्थायी शिक्षक की मदद से सामान्य हिन्दी और साहित्य में सभी कक्षाओं के अध्ययन–अध्यापन व्यवस्था पूरा कर रहा है।
- स्नातक स्तर में 12 भाषा की 03 साहित्य की एवं स्नातकोत्तर की कक्षाओं में 02 अध्यापक 01 नियमित तथा 01 अस्थायी के रूप में प्रबंध किया जाना है।

SWOC Analysis

हिन्दी विभाग की संभावनाएं

- हिन्दी विभाग 1997 से अदयतन है। यह अनुसंधान एवं रोजगार के अवसर निर्मित करता है।

  विभाग औचित्यपूर्ण अभिविन्यास और आत्म विकास में मदद्गार सिद्ध होता है।

- महाविद्यालय का ग्रामीण क्षेत्र में स्थापित होने के बावजूद शोध केन्द्र का होना है।

SWOC Analysis

हिन्दी विभाग की चुनौतियाँ

- हिन्दी विभाग को एक अकेला नियमित शिक्षक एवं एक अस्थायी शिक्षक के द्वारा संचालित करना अपने आप में एक बड़ी चुनौति है।
- संकाय के आबंटित सीट को भरना भी किसी चुनौती से कम नही है। एक व्यापक, स्वस्थ, व्यक्तित्व, निर्माण एवं प्रतिस्पर्धी के स्तर के छात्र, भविष्य की योजनाएँ, शैक्षणिक स्तर पर सुधार और उन्नयन के प्रयोगधर्मी होना बड़ी चुनौतियाँ हैं।

विभागीय ग्रंथालय

- हन्दी विभाग –ग्रन्थालय – हिन्दी विभाग के ग्रन्थागार में 197 पुस्तकें विदयमान है। जो पाठ्यपुस्तक एवं संदर्भग्रंथ के रूप में उपलब्ध है।
- मुख्य ग्रन्थागार मे हिन्दी की 2900 पुस्तकें है। जिसका लाभ विदयार्थी उठाते हे।
- हमारी अपनी नीजि पुस्तकों को भी अध्ययन के लिए विदयार्थि को उपलब्ध कराते है।

शोध कार्य (हिन्दी विभाग)

विभाग में आई.एस. एस. एन. में प्रकाशित शोध आलेख निम्नानुसार है –

	डॉ. एच. एल शर्मा	नम्रता पात्रे (अतिथि व्याख्याता)
➢ राष्ट्रीय –	6	7
➢ अंतराष्ट्रीय–	–	–

विभाग में आई.एस.बी.एन. पुस्तकों में प्रकाशित लेख निम्नानुसार है –

	डॉ. एच. एल शर्मा	नम्रता पात्रे (अतिथि व्याख्याता)
➢ राष्ट्रीय –	1	–
➢ अंतराष्ट्रीय–	–	–

हिन्दी विभाग की गतिविधियॉ

- हिन्दी विभाग की गतिविधियॉ – हिन्दी विभाग द्वारा प्रति वर्ष परिषद का गठन किया गया है।
- परिषद के माध्यम से विभिन्न साहित्यिक गतिविधियॉ संचालित की जाती है।
- सत्र 2016–17 में हिन्दी विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन उच्च शिक्षा विभाग के संपोषकत्व में सेमीनार का आयोजन किया। जिसका विषय –

भारतीय समाज में मिथ, मिस्ट्री, मैजिक की प्रचलित परम्परायें रहा है। जिसके प्रमुख अभ्यागत बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति प्रो. गौरीदत्त शर्मा रहे। स्त्रोत पुरूष के रूप में डॉ. शोभित बाजपेयी एवं विषय विशेषज्ञ डॉ. राजेश दुबे प्राचार्य रहे है।

हिन्दी विभाग की गतिविधियाँ

बिलासपुर. मुंगेली जिला पत्रिका .16

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी व कार्यशाला...

21वीं शताब्दी में युवाओं के सामने हैं अनेक चुनौतियां- प्रो. जीडी शर्मा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

शासकीय मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में शामिल अतिथि।

सीपत. शासकीय मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय सीपत में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका संयुक्त उद्घाटन करते हुए बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर के कुलपति प्रो. जीडी शर्मा ने कहा कि महाविद्यालय में ऐसे उत्कृष्ट आयोजनों से शैक्षणिक गुणवत्ता का विकास होता है। वहीं महाविद्यालय में एक स्वस्थ्य तथा स्वच्छ वातावरण बनता है।

उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी में युवाओं के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं जिनमें कम्प्यूटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी कौशल का ज्ञान, भाषा संप्रेषण कौशल का ज्ञान, क्रिएटिविटी (रचनात्मकता) एवं विधिक जागरूकता प्रमुख है। यही इस आयोजन का प्रमुख लक्ष्यभेद बिन्दु है। राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के लिए निर्धारित विषय 'भारतीय समाज में मिथ, मिस्ट्री एवं मैजिक की प्रचलित परम्पराएं' पर आधार व्याख्यान शासकीय महाविद्यालय लैलूंगा के प्राचार्य डॉ. राजेशकुमार दुबे व डॉ. शोभित (अम्बिकापुर) ने दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसआर कमलेश, संगोष्ठी संयोजक डॉ. हीरालाल शर्मा, राष्ट्रीय कार्यशाला के संयोजकद्वय डॉ. दिनेश कुमार पांडेय, प्रो. श्वेता पंड्या ने मुख्य अतिथि कुलपति जीडी शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. आरके वर्मा व डॉ. मंजू त्रिपाठी का माल्यार्पण तथा पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। महाविद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. एसआर कमलेश ने कहा कि महाविद्यालय में नैक मूल्यांकन के उपरांत पिछले तीन वर्षों में अभूतपूर्व विकास हुआ है। महाविद्यालय में छात्र संख्या 250 से बढ़कर 1150 हो गई है। अनेक नए विषय एवं संकाय प्रारंभ किए गए हैं।

कार्यक्रम संचालक डॉ. एमएन चन्द्राकर ने कहा कि महाविद्यालय का आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) द्वारा प्रत्येक सप्ताह महाविद्यालय का अकादमिक मूल्यांकन किया जाता है, जिससे महाविद्यालय में एक बेहतर अकादमिक वातावरण का निर्माण हुआ है। महाविद्यालय के राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में समानांतर तीन तकनीकी सत्र संचालित किए गए। इनमें शोधकर्ताओं ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया। स्नातकोत्तर समाजकार्य के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी सह कार्यशाला में डीपी विप्र महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनू भाई सोनी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. थामस, शासकीय महाविद्यालय न्यागढ़ के प्राचार्य प्रो. बीके पटेल, समाजशास्त्र के प्राध्यापक डॉ. एमडी स्वर्णकार, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी शर्मा व प्रो0 डॉ. अरूणा सरकार ने कार्यशाला को संबोधित किया।

विधिक जागरूकता सत्र का संचालन प्रो. नीना वखारिया ने किया। 'दैनिक जीवन में कम्प्यूटर की उपयोगिता एवं महत्व' विषय पर आयोजित कार्यशाला में बिलासपुर विश्वविद्यालय बिलासपुर के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एचएस होता, डॉ. बीके सोनी आदि ने कार्यशाला को संबोधित किया। एकदिवसीय संयुक्त समारोह का समापन समारोह प्रो. एचएस होता के मुख्य आतिथ्य, प्रो. बीके पटेल व प्रो. डॉ. कमलेश मिश्र के विशिष्ट आतिथ्य व प्राचार्य डॉ. एसआर कमलेश की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर तीनों कार्यक्रमों में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों को शोध पत्र वाचन एवं सहभागिता का प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. जेपी गोरे, डॉ. शुभ्रा मिश्रा, डॉ. संतोष वाजपेयी, प्रकाश कुमार यादव, डॉ. के वेणु आचारी, प्रो. श्वेता जायसवाल, प्रो. अदिती गौतम, पीबी पांडेय, पी जोशी, केके कश्यप, मंगेशदेव पुजारी, पीके बेले, बीएल साव, एके नेताम, बीके कुर्रे, संजय साहू, जीपी यादव, आरएल यादव, त्रिवेणी साहू, एनके भार्गव, ...

युवाओं के सामने बढ़ी चुनौतियां : शर्मा

मदनलाल शुक्ला कालेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी

सीपत । शासकीय मदनलाल शुक्ल कालेज में मंगलवार को राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। संगोष्ठी व कार्यशाला का उद्घाटन बिलासपुर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. जीडी शर्मा ने किया. उन्होंने कहा कि कालेज में ऐसे उत्कृष्ट आयोजनों से शैक्षणिक गुणवत्ता का विकास होता है। कालेज में एक स्वस्थ्य तथा स्वच्छ वातावरण बनता है। 21वीं सदी में युवाओं के समक्ष अनेक चुनौतियां हैं। जिनमें कम्प्यूटर तथा सूचना प्रौद्योगिकी कौशल का ज्ञान, भाषा संप्रेशण कौशल का ज्ञान, रचनात्मकता एवं विधिक जागरूकता प्रमुख है जो इस आयोजन का प्रमुख लक्ष्यभेद बिन्दु है। राष्टीय शोध संगोष्ठी के लिए निर्धारित विषय 'भारतीय समाज में मिथ, मिस्ट्री एवं मैजिक की प्रचलित परम्पराएं' पर आधार व्याख्यान शासकीय कालेज लैलूंगा के प्राचार्य डॉ. राजेशकुमार दुबे तथा डॉ. शोभित अम्बिकापुर ने दिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एसआर कमलेश, संगोष्ठी संयोजक डा. हीरालाल शर्मा, संयोजकद्वय डा. दिनेशकुमार पांडेय तथा प्रो. श्वेता पंड्या ने मुख्य अतिथि प्रो. जीडी शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि डा. आर.के. वर्मा प्राचार्य पामगढ़ एवं डॉ. मंजू त्रिपाठी प्राचार्य, शबरी माता कन्या कालेज बिलासपुर का स्वागत किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कमलेश ने कहा कि कालेज में नैक मूल्यांकन के उपरांत तीन साल में अभूतपूर्व विकास हुआ है। छात्र संख्या 250 से बढ़कर 1150 हो गई है। नए विषय एवं संकाय प्रारंभ किए गए। कार्यक्रम के संचालक डा. एम.एन. चन्द्राकर ने बताया कि प्रत्येक सप्ताह कालेज का अकादमिक मूल्यांकन किया जाता है। समापन समारोह प्रो. एचएस होता के मुख्य आतिथ्य तथा प्रो. बीके पटेल एवं प्रो. डा. कमलेश मिश्र के विशिष्ट आतिथ्य तथा प्राचार्य डा. एसआर कमलेश की अध्यक्षता में हुआ। प्रतिभागियों को शोध पत्र वाचन एवं सहभागिता का प्रमाण-पत्र वितरित किया गया।

- 'भारतीय समाज में मिथ, मिस्ट्री एवं मैजिक की प्रचलित परम्पराएं' विषय पर वक्ताओं ने रखी राय

तीन तकनीकी सत्र हुए

संगोष्ठी में समानांतर तीन तकनीकी सत्र संचालित किए गए, जिसमे शोध पत्रों का वाचन किया गया। स्नातकोत्तर समाजकार्य के तत्वावधान मे शोध संगोष्ठी सह कार्यशाला मे डीपी विप्र कालेज के प्राचार्य डा. अन्नू भाई सोनी, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. थामस प्रो. बीके पटेल, डा. एमडी स्वर्णकार, प्रो. डा. अरूणा सरकार ने कार्यशाला को संबोधित किया। विधिक जागरूकता सत्र का संचालन प्रो श्रीमती नीना वखारिया ने किया। 'दैनिक जीवन मे कम्प्यूटर की उपयोगिता एवं महत्व' विषय पर आयोजित कार्यशाला में बीयू विवि के कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. एचएस होता, डा. बीके सोनी आदि ने संबोधित किया।

इनका रहा योगदान

कालेज के प्राध्यापक प्रो जेपी गोरे, डा. शुभ्रा मिश्रा, डा. संतोष वाजपेयी क्रीड़ाधिकारी, प्रकाश कुमार यादव, डा. के वेणुआचारी, प्रो श्वेता जायसवाल, प्रो. आदिती गौतम, कर्मचारियों मे पीबी पांडे, पी जोशी, केके कश्यप, मंगेशदेव पुजारी, पीके बेले, बीएल साव, एके नेताम, बीके कुर्रे, संजय साहू, जीपी यादव, आरएल यादव, त्रिवेणी साहू, एनके भार्गव, एमके ... आदि का सराहनीय योगदान रहा।

REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA 2022/1/18 15:1

सीपत कॉलेज में एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी 14 को

सीपत| शासकीय मदनलाल शुक्ल कॉलेज में एक दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशाला 14 फरवरी को होगा। इसमें संगोष्ठी का विषय भारतीय समाज में मिथ मैजिक एवं मिस्ट्री की प्रचलित परंपराए होगी। इसमें शामिल होने डॉ. कमल बोस रांची विश्वविद्यालय, डॉ. हरिश्चन्द्र. शांतिनिकेतन विवि पश्चिम बंगाल, डॉ. कुना पंडा भुवनेश्वर, डॉ. अशोक दुबे भोपाल, डॉ राजेश दुबे, ... श्रीवास्तव, डॉ आभा तिवारी, डॉ. मिनकेत. डॉ. डीबी तिवारी भिलाई, डॉ. बिहारी लाल, डॉ. बीके प्रसाद, डॉ. शोभित वाजपेयी. डॉ युगलकिशोर, डॉ. बीएल गोयल. डॉ एसके त्रिपाठी. डॉ बीके रक्षित, डॉ. कल्याणी जैन, डॉ विनयकुमार पाठक ने स्वीकृति दी है। कम्प्यूटर विषय पर डॉ आरएस खेर, डॉ बीएल गुप्ता. डॉ. देवेन्द्र शर्मा, डॉ विकास राठौर डॉ केपी तिवारी. डॉ एचएस होता, डॉ. जितेन्द्र कुमार विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी प्राचार्य डॉ. एसकमलेश ने दी ।

AI QUAD CAMERA 2022/1/18 15:1

- सत्र 2017–18 हिन्दी दिवस /हिन्दी सप्ताह/हिन्दी पखवाडा के अन्तर्गत ”हमारी हिन्दी कैसी हो“ विषय पर परिषद के तत्वाधान में परिचर्चा का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसके प्रमुख अभ्यागत डॉ. राजे ा चतुर्वेदी एवं डॉ. इसाबेला लकड़ा रहे। अध्यक्षता डॉ. दिने ा कुमार पाण्डेय प्राचार्य द्वारा किया गया।

मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय, सीपत
जिला - बिलासपुर (छ.ग.)
हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित
परिचर्चा
विषय

- सत्र 2018–19 में परिषद के तत्वाधान में "मेरी भाषा मेरी पहचान" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया । जिसके वक्ता डॉ. अंजलि शर्मा रही। अध्यक्षता डॉ. शील प्रभा मिश्रा प्राचार्य द्वारा किया।

शासकीय मदनलाल शुक्ल महाविद्यालय
सीपत, जिला – बिलासपुर (छ.ग.)
हिन्दी पखवाड़ा समारोह
दिनांक 17.09.2019
विषय : मेरी भाषा-मेरी पहचान ।

- सत्र 2020–21 मे विश्व हिन्दी पर अतिथि व्याख्यान दिनांक– 10 / 01 / 2021

❑ सत्र 2020–21 मे प्रेमचंद जयंती पर वेबीनार के माध्यम से अतिथि व्याख्यान 31 / 07 / 2020

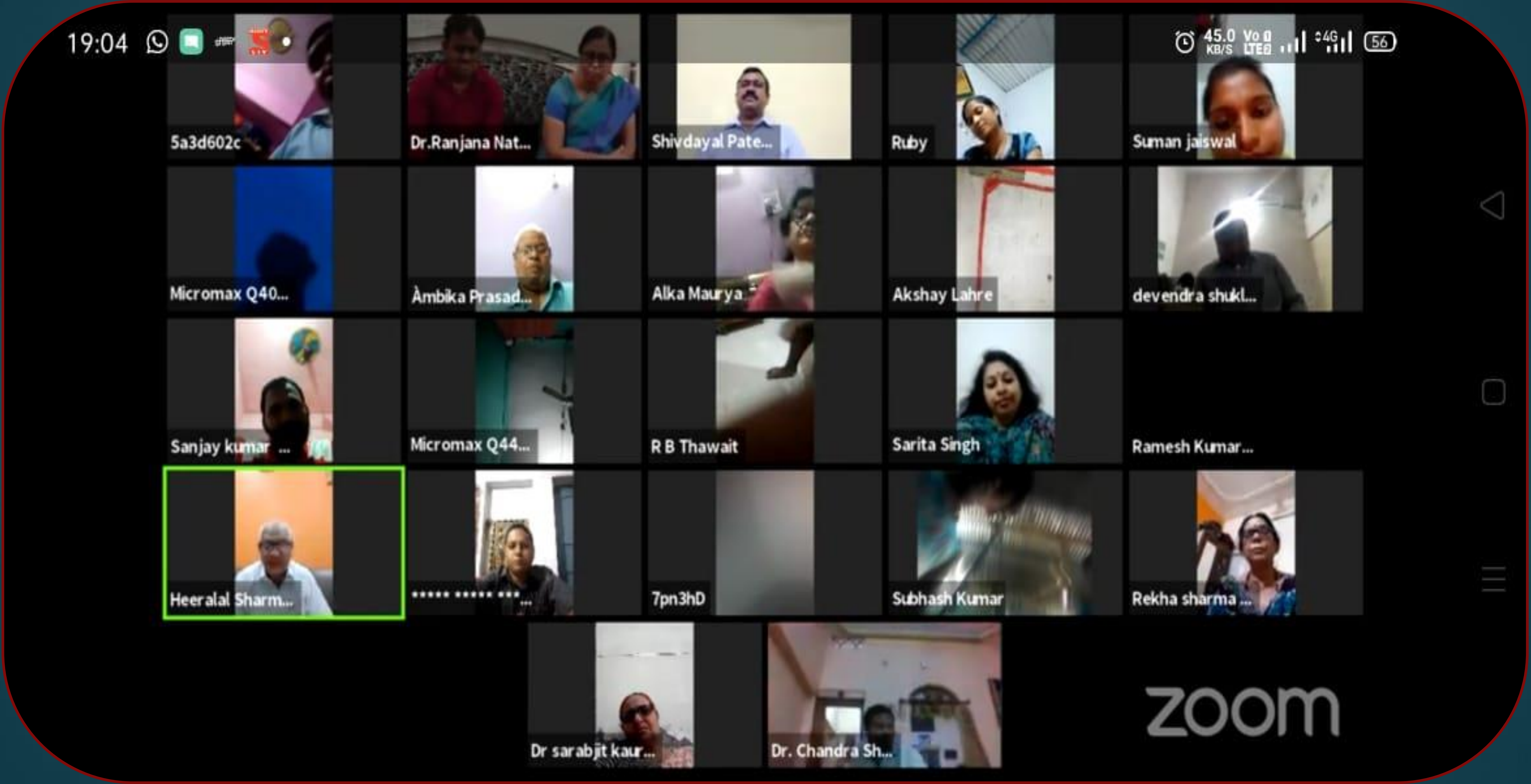

- सत्र 2021–22 मे हिन्दी भाषा वेबीनार के माध्यम से अतिथि व्याख्यान

- स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव के परिप्रेक्ष्य में दिनांक 22/08/2021 को आकाशवाणी बिलासपुर से स्वतंत्रता संग्राम में साहित्यकारों की भूमिका विषय पर वार्ता प्रसारित।

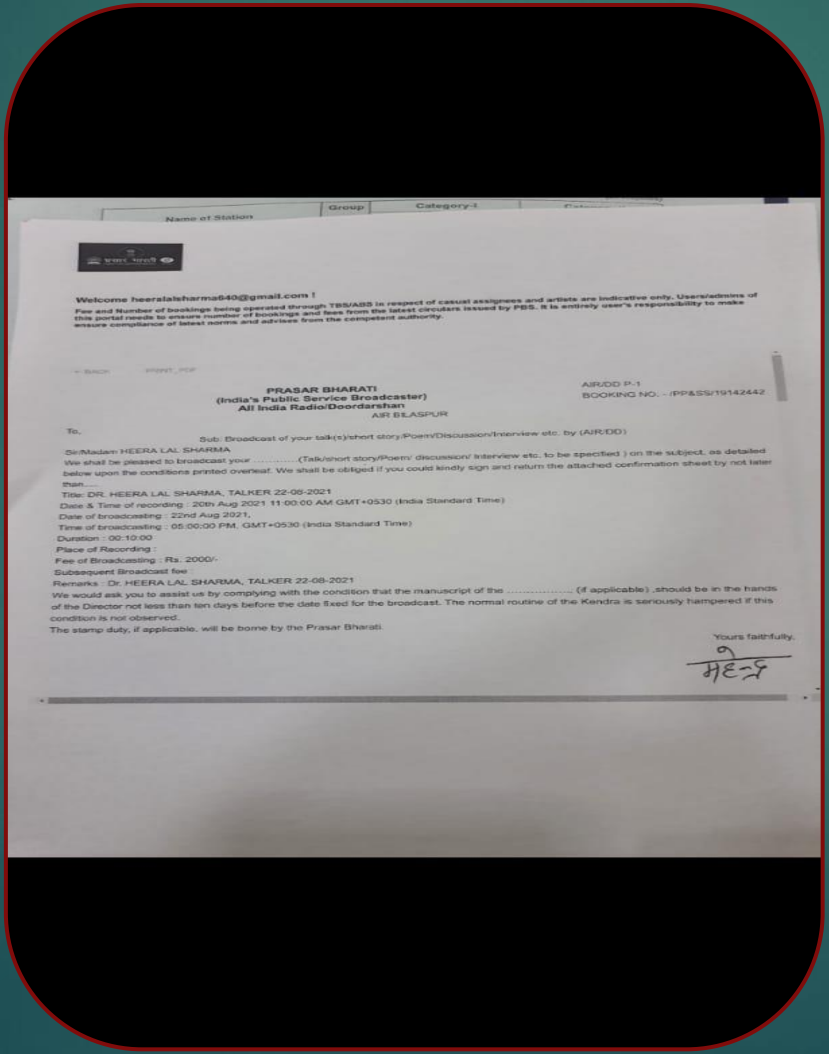

Welcome heeralalsharma640@gmail.com !
Fee and Number of bookings being operated through TBS/ABS in respect of casual assignees and artists are indicative only. Users/admins of this portal needs to ensure number of bookings and fees from the latest circulars issued by PBS. It is entirely user's responsibility to make ensure compliance of latest norms and advises from the competent authority.

PRASAR BHARATI
(India's Public Service Broadcaster)
All India Radio/Doordarshan
AIR BILASPUR

AIR/DD P-1
BOOKING NO. - /PP&SS/19142442

To,

Sub: Broadcast of your talk(s)/short story/Poem/Discussion/Interview etc. by (AIR/DD)

Sir/Madam HEERA LAL SHARMA
We shall be pleased to broadcast your ....(Talk/short story/Poem/ discussion/ interview etc. to be specified) on the subject, as detailed below upon the conditions printed overleaf. We shall be obliged if you could kindly sign and return the attached confirmation sheet by not later than....

Title: DR. HEERA LAL SHARMA, TALKER 22-08-2021
Date & Time of recording : 20th Aug 2021 11:00:00 AM GMT+0530 (India Standard Time)
Date of broadcasting : 22nd Aug 2021,
Time of broadcasting : 05:00:00 PM, GMT+0530 (India Standard Time)
Duration : 00:10:00
Place of Recording :
Fee of Broadcasting : Rs. 2000/-
Subsequent Broadcast fee :
Remarks : Dr. HEERA LAL SHARMA, TALKER 22-08-2021

We would ask you to assist us by complying with the condition that the manuscript of the .... (if applicable) ,should be in the hands of the Director not less than ten days before the date fixed for the broadcast. The normal routine of the Kendra is seriously hampered if this condition is not observed.
The stamp duty, if applicable, will be borne by the Prasar Bharati.

Yours faithfully,
महेन्द्र

- हिन्दी विभाग महाविद्यालयीन पत्रिका "मुक्ताक्षर" का प्रकाशन सत्र 2017–18 से अदयतन कर रहा है। आज की स्थिति में महाविद्यालयीन पत्रिका के 04 अंक निकाले जा चुके है। विभाग प्रकाशन प्रकोष्ठ के रूप में स्थापित है।

विभाग में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिये किए जाने वाले प्रयास

हिन्दी विभाग द्वारा विशेष रूप से प्रावीण्य क्रम के विदयार्थियों को विशेष अध्ययन सामाग्री प्रदान करता है। उन्हें अधुनातन पाठन शैली, समय निर्धारण व स्वंय की पाठन सामाग्री उपलब्ध कराई जाती है। उच्च अध्ययन जैसे – प्रतियोगी परीक्षा के लिए सेट/नेट/जे.आर.एफ/एम.फिल/पी.एच.डी. एवं रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम के लिए प्रोत्साहित करता है।

विभाग में कमजोर छात्रों के लिये किए जाने वाले प्रयास

विभाग में जो कमजोर छात्र होते है उन्हें अध्यापकों द्वारा विशेष अध्ययन सामाग्री प्रदान कर उनकी कमियों को दूर करने का प्रयास करता है। विभागीय अध्ययन सामाग्री के अतिरिक्त अपने स्वंय के अध्ययन सामाग्री को उपलब्ध कराता है। जिससे वे प्रोन्नत होते है।

व्यक्तिगत जानकारी

नाम : डॉ हीरालाल शर्मा

पद : सहायक प्राध्यापक, 'हिन्दी'

शैक्षणिक योग्यता : एम.ए. हिन्दी, पी.एच.–डी.

क.	कक्षा	बोर्ड / वि.वि. / संस्था का नाम	वर्ष	श्रेणी
1.	हायर सेकेण्डरी	माध्यमिक ि ाक्षा मण्डल म.प्र. भोपाल (ाा.उ.मा. विद्यालय सक्ती)	1985	द्वितीय
2	स्नातक (कला)	गुरू घासीदास वि.वि.बिलासपुर (छ.ग.) (जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय, सक्ती)	1988	द्वितीय
3	स्नातकोत्तर (हिन्दी)	गुरू घासीदास वि.वि.बिलासपुर (छ.ग.) (सी.एम.दुबे स्नातकोत्तर महावि.बिलासपुर)	1990	प्रथम
		वि वविद्यालय प्रावीण्य सूची में दूसरा स्थान		
4	पी.एच.डी.	राम की भाक्ति पूजा की संरचना एवं संकल्प का विश्लेशण गुरू घासीदास वि.वि.बिलासपुर (छ.ग.)	2005	